भारत में 1.17 करोड़ से अधिक पाठक (IRS 2019) PUNJAB KESARI, UDAIPUR

पंजाब केसरी

Sunday, 8 September 2024 www.punjabkesari.in

हरेक युवा रचनाकार में बदळाव री खिमता हुवै : प्रो. चारण

उदयपुर, 7 सितम्बर (पंजाब केसरी) : 'आज का युवा रचनाकार राजस्थानी ज्ञान परम्परा एवं भाषा-साहित्य का भविष्य है। नि:संदेह युवा रचनाकार एक अनूठी शक्ति का पर्याय होता है। 'हरेक युवा में बदळाव' री खिमता हुवै।'

यह विचार साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मण्डल रा संयोजक एवं ख्यातनाम कवि-आलोचक प्रोफेसर अर्जुनदेव चारण ने दो दिवसीय 'राष्ट्रीय राजस्थानी युवा उच्छब' में बतौर अध्यक्ष व्यक्त किए।

संयोजक डॉ. सुरेश सालवी ने बताया कि साहित्य अकादमी नई दिल्ली एवं राजस्थानी विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में बप्पा रावल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. देव कोठारी, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा, युवा लेखक डॉ.संजय शर्मा ने भी विचार रखे।

इसके बाद प्रथम तकनीकी सत्र में राजस्थानी के प्रतिष्ठित कवि-आलोचक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित की अध्यक्षता में युवा लेखक डॉ.गौरी शंकर निमिवाल श्रीगंगानगर, महेन्द्रसिंह छायण जैसलमेर, पूनमचंद गोदारा बीकानेर एवं नंदू राजस्थानी टोंक ने राजस्थानी युवा लेखन विषय पर अपने आलोचनात्मक शोधपत्र प्रस्तुत किये।

वहीं, द्वितीय तकनीकी सत्र में राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ.सुरेश सालवी की अध्यक्षता में युवा लेखक सोनाली

सुथार बीकानेर, सूर्यकरण सोनी बांसवाड़ा, शकुंतला पालीवाल उदयपुर ने 'आपां क्यूं लिखा' विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

इसी तरह, तृतीय तकनीकी सत्र प्रतिष्ठित रचनाकार एवं साहित्य अकादेमी के पूर्व राजस्थानी संयोजक मधु आचार्य आशावादी की अध्यक्षता में गौरीशंकर निमिवाल, पूनमचंद गोदारा, महेन्द्रसिंह छायण, नंदू राजस्थानी, सोनाली सुथार, सूर्यकरण सोनी एवं शकुंतला पालीवाल ने राजस्थानी रचनाएं प्रस्तुत की।

साहित्यिक दृष्टि बहुत ही महत्वपूर्ण इस दो दिवसीय राष्ट्रीय राजस्थानी युवा उत्सव में अनेक भाषाओं के प्रतिष्ठित विद्वान लेखकों, विश्वविद्यालय शिक्षक, साहित्य प्रेमी, शोध-छात्रों एवं विधार्थियों ने भाग लिया।